

निर्देश—प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

खण्ड 'क'

- निम्नलिखित प्रश्नों के सही-विकल्प का चयन कीजिए—
 - मुंशी प्रेमचन्द ने किस विधा को 'मानव-चरित्र' का चित्र मात्र कहा है? 1
(a) जीवनी (b) उपन्यास (c) कहानी (d) संस्मरण
 - 'हरखू' पात्र किस कहानी से सम्बन्धित है? 1
(a) बलिदान (b) आकाशदीप (c) प्रायश्चित्त (d) समय
 - हिन्दी का प्रथम यात्रा-वृत्तान्त 'सरयू पार की यात्रा' लिखा गया है— 1
(a) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (b) महावीरप्रसाद द्विवेदी
(c) प्रेमचन्द (d) राहुल सांकृत्यायन
 - 'चिन्तामणि' की गद्य-विधा है— 1
(a) नाटक (b) उपन्यास (c) निबन्ध (d) कहानी
 - श्यामसुन्दर दास की शैली है— 1
(a) व्यास (b) समास (c) भावात्मक (d) च्यंग्यात्मक
- निम्नलिखित प्रश्नों के सही-विकल्प का चयन कीजिए—
 - रसखान किस काव्यधारा के कवि थे? 1
(a) सगुण भक्ति काव्य धारा (b) कृष्णभक्ति काव्य धारा
(c) ज्ञानाश्रयी काव्य धारा (d) रामभक्ति काव्य धारा
 - 'रीतिकाल' का दूसरा नाम है— 1
(a) मुक्तक शैली काल (b) शृंगार काल
(c) चमत्कारिक काल (d) ये सभी
 - कौन-सा ग्रन्थ 'आदिकाल' का है— 1
(a) सूरदास (b) पद्मावत (c) बीसलदेव रासो (d) औसू
 - कौन-सा ग्रन्थ भक्तिकाल का है? 1
(a) पृथ्वीराज रासो (b) कामायनी (c) विनय पत्रिका (d) साकेत
 - 'वीर रस' की कृति है— 1
(a) बिहारी सतसई (b) सूरसागर (c) शिवा-वावनी (d) प्रिय प्रवास
- निम्नलिखित गद्यांशों के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10
बर्फ का दुपट्टा बाँधे हुए हिमालय इस समय तो अति सुन्दर, अति ऊँचा और अति गौरवान्वित मालूम होता है, परन्तु प्रकृति ने अगणित शताब्दियों के परिश्रम से रेत का एक-एक परमाणु समुद्र के जल में डुबो-डुबोकर और उनको अपने विचित्र हथौड़े से सुडौल करके इस हिमालय के दर्शन कराए हैं। आचरण भी हिमालय की तरह एक ऊँचे कलश वाला मंदिर है। यह वह आम का पेड़ नहीं जिसको मदारी एक क्षण में, तुम्हारी आँखों में मिट्टी डालकर अपनी हथेली पर जमा दे।

P.T.O.

- उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- हिमालय का निर्माण कब और कैसे हुआ है?
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- 'अब तक आचरण के सुन्दर रूप के दर्शन नहीं हुए हैं' क्यों स्पष्ट कीजिए।
- उपर्युक्त गद्यांश का भावार्थ लिखिए।

अथवा

जब तक आत्म-साक्षात्कार न होगा, तब तक अपूर्णता की अनुभूति बनी रहेगी और आनन्द की खोज जारी रहेगी। इस खोज में सफलता, आनन्द की प्राप्ति अपने परम ज्ञानमय स्वरूप में स्थिति यही मनुष्य का पुरुषार्थ, उसके जीवन का चरम लक्ष्य है और उसको इस पुरुषार्थ-साधन के योग्य बनाना ही शिक्षा का उद्देश्य है। ब्रह्म राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था सबसे अच्छी है, जिससे पुरुषार्थ सिद्धि में सहायता मिल सके, कम से कम बाधाएँ तो न्यूनतम हों?

- उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- लेखक के अनुसार लेखक का परम लक्ष्य क्या है?
- गद्यांश के आधार पर शिक्षा के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।
- छात्र की पुरुषार्थ सिद्धि में राज्य व समाज क्या योगदान कर सकता है?
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

- दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10
कहत कत परदेसी की बात।

मंदिर अरध बदि हमसौ, हरि अहार चलि जात ॥

ससि-रिपु वरष, सूर-रिपु जुग बर, हर-रिपु कीन्हौ घात ॥

मघ पंचक लै गयो साँवरी, तातै अति अकुलात ॥

नखत, वेद, ग्रह, जोरि, अर्ध करि, सोई बनत अब खात ॥

सूरदास वस भई विरह के, कर मीजै पछितात ॥

(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ व प्रसंग लिखिए।

(ख) पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(घ) पद्य में विद्यमान शैली का उल्लेख कीजिए।

(ङ) पद्यांश के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

तिमिरु तरुन तरनिहि मकु गिलाई।

गगनु मगन मकु मेघहिं मिलाई ॥

गोपद जल बूझि घट जोनी, सहज क्षमा बरु छाडै छोनी।

मसक फूँक मकु मेरु उड़ाई, होई न नृपमदु भरतहिं भाई ॥

(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ एवं प्रसंग लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए।

(घ) पद्यांश के आधार पर भरत के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

(ङ) उपर्युक्त पद्यांश के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

- निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाएँ लिखिए— (शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

(a) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(b) राहुल सांकृत्यायन

(c) सरदार पूर्णसिंह

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाएँ लिखिए— (शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

(a) कबीरदास (b) सूरदास (c) तुलसीदास

6. 'आकाशदीप' अथवा 'ध्रुवयात्रा' कहानी का उद्देश्य लिखिए। 5
अथवा

बलिदान कहानी के प्रमुख पात्र 'गिरधारी' का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में लिखिए। 5
स्वपठित नाटक के 'नायक' का चरित्र-चित्रण लिखिए।

अथवा

स्वपठित नाटक के 'द्वितीय अंक' का सारांश लिखिए।

खण्ड 'ख'

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2 + 5 = 7

अस्योपत्यकासु सुदीर्घाः वनराजयो विराजन्ते, यत्र विविधाः ओषधयोः वनस्पतयस्तरवश्च तिष्ठन्ति, इमाः ओषधयः जनान् आमयेभ्यो रक्षन्ति तरवश्च आसन्द्यादि गृहोपकरण निर्माणार्थं प्रयुज्यन्ते। हिमालयः वर्षर्तौ दक्षिण समुद्रेभ्यः समुत्थिता मेघमाला अवरुध्य वर्षणाय ताः प्रवर्तयति।

अथवा

सप्तनवत्युत्तराष्ट्रा दशशततमेऽब्दे (1897) जनवरीमासस्य त्रयोविंशतितिथौ श्रीसुभाषः स्वजन्मना बङ्गभुवमलञ्चकार। अस्य पिता जानकीनाथ बसुः राजकीय-प्राङ्ग विवाकः आसीत्। सुभाषः बाल्यदेव बुद्धिमान्, धीरः साहसीः प्रतिभा सम्पन्नश्चासीत्। अयं कलिकातानगर्यां शिक्षां प्राप्य सम्मानिताम् आई.सी.एस. पक्षीक्षामुतीर्षापि विदेशीय शासनस्य भृत्यत्वं न स्वीकृतवान्।

(ख) दिये गये संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2 + 5 = 7

सत्येन रक्ष्यते धर्मो विद्या योगेन रक्ष्यते।

मृजया रक्ष्यते रूपं कुलं वृत्तेन रक्ष्यते ॥

अथवा

यदृच्छया चोपपन्नं स्वर्गद्वारमपावृतम्।

सुखिनः क्षत्रियाः पार्थ! लभन्ते युद्धमीदृशम् ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए— 1 + 1 = 2

(क) मान न मान मैं तेरा मेहमान

(ख) नाम बड़े और दर्शन छोटे

(ग) थोथा चना वाजे घना

(घ) दूर के ढोल सुहावने होते हैं

10. (क) निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार चयन कीजिए—

(i) 'नयनम्' का सन्धि-विच्छेद है— 1

(अ) ने + अनम्

(ब) नय + नम्

(स) नै + अनम्

(द) नयन + म

(ii) 'कदापि' का सन्धि-विच्छेद है— 1

(अ) कद + अपि

(ब) कत् + अपि

(स) कद् + अपि

(द) कदा + अपि

(iii) 'मध्वरिः' का सन्धि-विच्छेद है— 1

(अ) मधु + अरिः

(ब) मधु + वरिः

(स) म. + ध्वरि

(द) मध्व + रिः

(ख) निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार चयन कीजिए— 1

(i) 'आत्मानम्' में 'विभक्ति' और 'वचन' है— 1

(अ) तृतीया, एकवचन

(ब) चतुर्थी, द्विवचन

(स) पंचमी, द्विवचन

(द) षष्ठी, एकवचन

(ii) 'नाम्नि' में विभक्ति व वचन है— 1

(अ) सप्तमी, एकवचन

(ब) तृतीया, एकवचन

(स) चतुर्थी, बहुवचन

(द) षष्ठी, द्विवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए— 1

(i) अंस-अंश— 1

(अ) अंकुर और हिस्सा

(ब) हिस्सा और अंकुर

(स) कंधा और हिस्सा

(द) हिस्सा और कंधा

(ii) कर्म-क्रम— 1

(अ) धर्म और कर्म

(ब) काम और आरम्भ

(स) काम और सिलसिला

(द) कार्य और क्रम

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए— 1 + 1 = 2

(i) हर

(ii) सागर

(iii) वर्ण

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए 'एक शब्द' का चयन करके लिखिए— 1

(i) जिसके समान दूसरा न हो— <https://www.upboardonline.com>

(अ) अद्वितीय (ब) अतुलनीय

(स) श्रेष्ठ

(द) असमान

(ii) जिसके आर-पार देखा जा सके— 1

(अ) अगोचर (ब) पारदर्शी

(स) पार्थिव

(द) गोचर

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए— 1 + 1 = 2

(i) वहाँ प्लेग के खतरे का डर है।

(ii) मुझे तीस रुपया चाहिए।

(iii) कृपया कर यह पत्र लिख दें।

(iv) मेरे को पुस्तक चाहिए।

5. (क) 'हास्य रस' अथवा 'शांत रस' के स्थायी भाव के साथ उसकी परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ख) 'अनुप्रास अलंकार' अथवा 'श्लेष अलंकार' का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ग) 'चौपाई' अथवा 'दोहा' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। 2

13. स्थानीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में लिपिक के रिक्त पद पर नियुक्ति हेतु विद्यालय के प्रधानाचार्य/प्रबन्धक महोदय को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए। 2 + 4 = 6

अथवा

किसी बैंक के शाखा प्रबन्धक को निजी कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना हेतु ऋण-प्राप्ति के लिए पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए— 2 + 7 = 9

(क) विज्ञान : वरदान या अभिशाप

(ख) जनसंख्या नियंत्रण

(ग) वृक्षारोपण की उपयोगिता

(घ) आतंकवाद : एक चुनौती